

वार्षिक प्रतिवेदन Annual Report



2004-05



निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य
View of the Meeting of the Board of Directors

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, 'सी'-स्कीम,
जयपुर - 302005

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की चवालीसवीं वार्षिक साधारण सभा बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल के पास, जयपुर में शनिवार, दिनांक 28 मई, 2005 को प्रातः 11.30 बजे (मानक समय) आयोजित की जावेगी जिसमें 1 अप्रैल, 2004 से 31 मार्च, 2005 तक की अवधि के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशक मंडल के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार किया जायेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

जयपुर
23.04.2005

के. आर. श्रीकण्ठन
प्रबन्ध निदेशक

Notice

STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

Head Office, Tilak Marg, 'C'-Scheme,
JAIPUR - 302005

NOTICE is hereby given that the forty fourth Annual General Meeting of the Shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the Birla Auditorium, Near Statue Circle, Jaipur on Saturday, the 28th May, 2005 at 11.30 A.M. (Standard Time) to discuss the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period 1st April, 2004 to 31st March, 2005.

BY ORDER OF THE BOARD

JAIPUR
23.04.2005

K. R. SRIKANTAN
Managing Director

विषय सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य	03
Highlights	03
निदेशक मण्डल	04
Board of Directors	05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	06
Directors' Report	07
तुलन-पत्र	50
Balance Sheet	50
लाभ-हानि खाता	52
Profit & Loss Account	52
अनुसूचियां	54
Schedules	54
प्रमुख लेखा नीतियां	84
Principal Accounting Policies	85
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	90
Auditors' Report	91

उन्नति का एक दशक 1996-2005**A Decade of Progress 1996-2005**(रुपये करोड़ में)
(Rs. in crore)

संकेतक Indicators	पूंजी एवं आरक्षितियां Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	हानिप्रद शाखाएं Loss making Branches	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profit	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee
मार्च March 1996	157.81	7500	50	112.25	25.79	753	0.47
मार्च March 1997	193.48	8866	31	156.93	40.48	771	0.55
मार्च March 1998	344.12	10493	13	195.92	90.48	774	0.63
मार्च March 1999	419.35	12223	14	162.12	91.88	787	0.74
मार्च March 2000	523.12	14018	10	237.88	120.42	794	0.86
मार्च March 2001	609.20	16065	7	268.30	105.37*	799	1.05
मार्च March 2002	752.11	17592	7	390.61	164.50*	802	1.29
मार्च March 2003	903.45	20391	4	440.85	203.28*	804	1.46
मार्च March 2004	1148.57	25457	4	681.35	301.52*	812	1.70
मार्च March 2005	1297.68	31294	4	729.64	205.65*	824	2.20

* स्वेच्छिक सेवा निवृत्ति के कारण वर्ष 2000-01 में रुपये 45.37 करोड़ एवं वर्ष 2001-02 से रुपये 21.45 करोड़ प्रति वर्ष भार के बाद ।

* After VRS outgo of Rs. 45.37 crore in 2000-01 and Rs. 21.45 crore per year from 2001-02 and onwards.

उल्लेखनीय तथ्य HIGHLIGHTS			(रुपये करोड़ में) (Rs. in Crore)
	2003-04	2004-05	
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits	25457	31294	
जमा राशियाँ Deposits	16453	19038	
कुल अग्रिम Total Advances	9004	12256	
अग्रिम (निवल) Advances (Net)	8597	12009	
निवेश (निवल) Investments (Net)	8443	8362	
निवल लाभ Net Profit	301.52	205.65	
जमाओं की लागत Cost of Deposits	5.87%	4.84%	
अग्रिमों पर आय Yield on Advances	9.11%	8.60%	
निवल ब्याज अन्तर Net Interest Margin	4.19%	4.20%	
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियाँ Paid-up Capital & Reserves	1148.57	1297.68	
प्रति अंश आय (रुपयों में) Earning per Share (in Rs.)	603.04	411.30	
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (रुपयों में) Book Value per Share (in Rs.)	2297	2595	
पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	12.93%	12.60%	
लाभांश दर Dividend Rate	100%	100%	
सकल गैर-निष्पादित आस्तियाँ Gross Non Performing Assets	483.66	399.51	
सकल गैर-निष्पादित आस्तियाँ Gross NPA %	5.36%	3.26%	
निवल गैर निष्पादित आस्तियाँ Net NPA %	1.24%	1.61%	
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sectors	4185	5569	
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture	1529	2252	
लघु उद्योग क्षेत्र को अग्रिम Advances to Small Scale Industries	1329	1488	
लघु व्यवसाय व अन्य प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम Advances to Small Business & Other Priority Sectors	1327	1829	
किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या Total number of Kisan Credit Cards	187273	271770	
निर्यात वित्त Export Finance	941	1163	
आठ सेवा शाखाओं सहित शाखाओं की कुल संख्या No. of branches including eight service branches	812	824	
कोर बैंकिंग शाखाओं की संख्या No. of Core Banking branches	-	103	
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees	13054	12883	
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee	1.70	2.20	

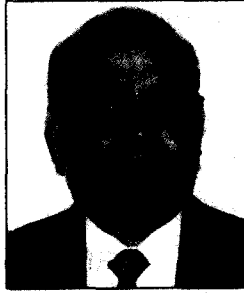
निदेशक समूह

श्री ए. के. पुरवार अध्यक्ष भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष
श्री ए.जी. कलमनकर उप प्रबन्ध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (ए एण्ड एस समूह), भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री के. आर. श्रीकण्ठन प्रबन्ध निदेशक स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एण्ड जयपुर, प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत
श्री एस. रामास्वामी अतिरिक्त मुख्य महा प्रबन्धक भारतीय-रिजर्व बैंक, नागपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मनोनीत
श्री एम. इन. राव महा प्रबन्धक (ए एण्ड एस समूह) सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री यशोवर्धन सिन्हा उप महा प्रबन्धक (ए एण्ड एस समूह) सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
चौ. शाह मोहम्मद खान जे-252, सेवा सदन, मंगोलपुरी, नई दिल्ली	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री रमेश चन्द भण्डारी "रूप श्री" एस-1-ए भवानीसिंह मार्ग, सी- स्कीम, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्री संजीव अग्रवाल ए-226, शिवानन्द मार्ग मालवीय नगर, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
सुश्री पी. बोलिना निदेशक, भारत सरकार, वित्त मन्त्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), संसद मार्ग, नई दिल्ली	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री यू.एम. संघी सचिव, एबीओए (यूनिट एसबीबीजे) सहायक महाप्रबन्धक (राजभाषा) स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एण्ड जयपुर, प्रधान कार्यालय, जयपुर	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2 ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीबी) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री एल.एन. जालानी विशेष सहायक, स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एण्ड जयपुर, अंचल कार्यालय, ए-23, शास्त्री नगर, जोधपुर	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2 ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीए) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

BOARD OF DIRECTORS

Shri A. K. Purwar Chairman State Bank of India, Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Chairman, ex-officio under clause (a) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.
Shri A. G. Kalmankar Dy. Managing Director & Group Executive (A&S Group), State Bank of India, Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri K. R. Srikantan Managing Director State Bank of Bikaner and Jaipur, Head Office, Tilak Marg, Jaipur	Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri S. Ramaswamy Addl. Chief General Manager Reserve Bank of India, Nagpur	Nominated by the Reserve Bank of India under clause(b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri M. N. Rao General Manager (A&S Group) Associate Banks Deptt. State Bank of India, Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Yashovardhan Sinha Dy. General Manager (A&S Group) Associate Banks Department State Bank of India Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Ch. Shah Mohammad Khan J-252, Seva Sadan, Mangolpuri, New Delhi	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Ramesh Chand Bhandari "Roop Shri" S - I - A, Bhawani Singh Marg, 'C' Scheme, Jaipur.	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Sanjiv Agarwal A-226, Shivanand Marg, Malviya Nagar, Jaipur	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Ms. P. Bolina Director, Govt. of India Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs (Banking Division), Parliament Street, New Delhi.	Nominated by the Central Government under clause (e) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri U. M. Sanghi Secretary - ABOA (Unit: SBBJ) AGM (Rajbhasha) State Bank of Bikaner and Jaipur, Head Office, Jaipur	Nominated by the Central Government under clause (cb) of sub-section (1) of section 25 read with sub section (2A) of section 26 of the Act.
Shri L. N. Jalani Special Assistant State Bank of Bikaner and Jaipur, Zonal Office, A-23, Shastri Nagar, Jodhpur	Nominated by the Central Government under clause (ca) of sub-section (1) of section 25 read with sub-section (2A) of section 26 of the Act.

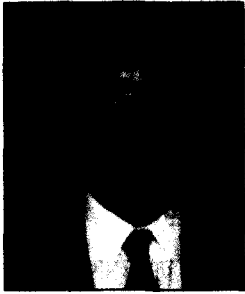
निदेशक मण्डल
Board of Directors



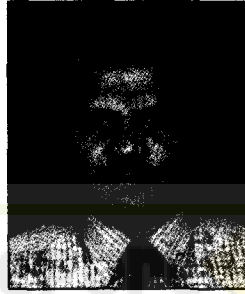
श्री ए. के. पुरवार
अध्यक्ष
Shri A. K. Purwar
Chairman



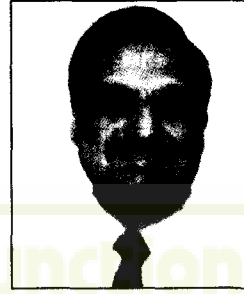
श्री के. आर. श्रीकण्ठन
प्रबन्ध निदेशक
Shri K. R. Srikantan
Managing Director



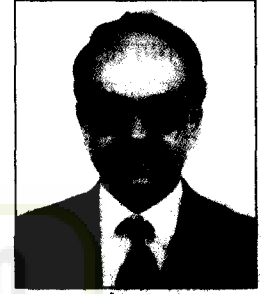
श्री ए. जी. कलमनकर
Shri A. G. Kalmankar



श्री एस. रामास्वामी
Shri S. Ramaswamy



श्री एम. एन. राव
Shri M. N. Rao



श्री यशोवर्धन सिन्हा
Shri Yashovardhan Sinha



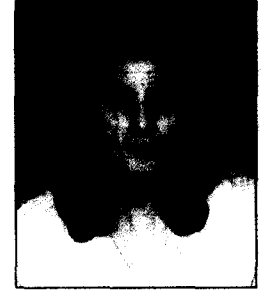
चौ. शाह मोहम्मद खान
Ch. Shah
Mohammad Khan



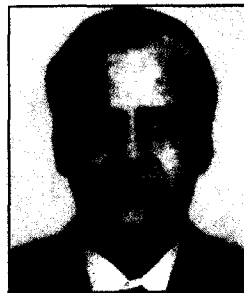
श्री रमेश चन्द भण्डारी
Shri Ramesh Chand
Bhandari



श्री संजीव अग्रवाल
Shri Sanjiv Agarwal



सुश्री पी. बोलिना
Ms. P. Bolina



श्री यू. एम. संघी
Shri U. M. Sanghi



श्री एल. एन. जालानी
Shri L. N. Jalani

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43 (1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2004 से 31 मार्च, 2005

स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च, 2005 को समाप्त हुए वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, अकेक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

प्रबन्धन विचार-विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

विश्व अर्थव्यवस्था

विश्व उत्पाद में वर्ष 2004 के दौरान वास्तविक अर्थों में 5.1 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित की गयी है जो लगभग तीन दशकों में सर्वाधिक है। वर्ल्ड इकोनोमिक आउटलुक (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अप्रैल 2005) के पूर्वानुमानों के अनुसार विश्व उत्पाद में वर्ष 2005 में 4.3 प्रतिशत एवं वर्ष 2006 में 4.4 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है। भारत एवं चीन वर्तमान में विश्व में तीव्र गति से विकास करने वाले राष्ट्रों में से हैं। परिलक्षित होने वाले सूचकों से प्रतीत होता है कि अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा परन्तु खनिज तेल एवं वस्तुओं की बढ़ती हुई कीमतें, विश्वभर में व्याज दरों में हो रही वृद्धि एवं अन्तर्राष्ट्रीय चालू खातों में बढ़ता हुआ असन्तुलन कुछ प्रमुख ध्यान देने वाले क्षेत्र हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक नये वृद्धि चरण में प्रवेश किया है। हाल ही में केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा जारी त्वरित अनुमानों के अनुसार भारत सरकार ने दर्शाया है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद ने वर्ष 2003-04 के दौरान 1993-94 के मूल्यों पर 8.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इससे पूर्व स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद केवल दो बार ही (वर्ष 1975-76 एवं 1988-89) इतनी उच्च वृद्धि दर्ज की गयी है। अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान करने वाले तीनों क्षेत्रों यथा कृषि, औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र में हुए विकास ने इस वृद्धि को और भी व्यापक कर दिया है।

वर्ष 2003-04 की उच्च वृद्धि के बाद, वर्ष 2004-05 सामान्य वृद्धि दर के अनुमानों के साथ शुरू हुआ। दक्षिण पश्चिम मानसून में आयी कमी

तथा उसके बाद सुनामी कहर ने स्थिति को कुछ और बदतर कर दिया जिससे विभिन्न तटीय भागों में व्यापक रूप से जान एवं माल की हानि हुई। तथापि अर्थव्यवस्था ने सुदृढ़ता दर्शायी एवं अग्रिम पूर्वानुमानों के अनुसार, वर्ष 2004-05 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है। इस वर्ष अपर्याप्त मानसून एवं उच्च आधार के कारण कृषि में गत वर्ष के 9.6 प्रतिशत की तुलना में 1.1 प्रतिशत की न्यून वृद्धि होने का अनुमान है। औद्योगिक क्षेत्र में विकास होने के कारण वर्ष 2004-05 के दौरान इसमें 8.3 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है जबकि वर्ष 2003-04 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सेवा क्षेत्र में गत वर्ष में दर्ज 8.9 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2004-05 के दौरान 8.6 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है।

वर्ष 2004-05 के दौरान भारत का विदेशी व्यापार भी समृद्ध हुआ है। 74 बिलियन यूएस डॉलर के निर्यात लक्ष्य (विगत वर्ष पर 16 प्रतिशत वृद्धि) के विरुद्ध वर्ष 2004-05 के दौरान निर्यात 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए अब तक की सर्वोच्च ऊँचाई 80 बिलियन यूएस डॉलर तक बढ़ गया है। यह उपलब्धि 2004 के उत्तरार्द्ध में यूएस

डॉलर की तुलना में भारतीय रुपये के मूल्य में वृद्धि के बावजूद प्राप्त की गयी है। विदेशी विनिमय कोष यूएस डॉलर 140 बिलियन से अधिक के संतोषजनक स्तर पर है।

अन्तर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्यों में तीव्र वृद्धि, अल्पवृष्टि तथा अत्यधिक तरलता के कारण वर्ष 2004-05 के पूर्वार्द्ध में मुद्रास्फीति में आकस्मिक वृद्धि हुई। वर्ष 2004-05 के दौरान 28 अगस्त, 2004 को समाप्त सप्ताह में मुद्रास्फीति 8.74 प्रतिशत के उच्च स्तर को छुआ। यद्यपि तीव्र मौद्रिक एवं वित्तीय उपायों के द्वारा मुद्रास्फीति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया गया एवं यह 26 मार्च, 2005 को समाप्त सप्ताह में 5.05 प्रतिशत रही।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

राजस्थान राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि (पशुपालन सहित) का 26.1 प्रतिशत भाग राज्य की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। वर्ष 2004-05 राज्य के लिए एक कठिन वर्ष रहा है। वर्ष 2004-05 की खरीफ फसल के दौरान 32 में से 25 जिलों में कम वर्षा हुई जबकि रबी फसल के दौरान 21 जिले ओलावृष्टि से प्रभावित रहे।



जैसलमेर के 'मरु उत्सव' में कैमल बैंक

Camel Bank at Jaisalmer 'Maru Fair'

**Report of the Board of Directors to the State Bank of India,
the Reserve Bank of India and the Government of India
in terms of Section 43(1) of the State Bank of India
(Subsidiary Banks) Act, 1959.**

Period covered by the Report: 1st April 2004 to 31st March, 2005

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March, 2005.

**MANAGEMENT
DISCUSSION AND
ANALYSIS**

ECONOMIC ENVIRONMENT

World Economy

The world output is expected to have recorded a growth of 5.1 per cent in real terms during 2004, which is the highest in nearly three decades. As per the World Economic Outlook (International Monetary Fund, April 2005), the world output is estimated to grow by 4.3 per cent in 2005 and 4.4 per cent in 2006. India and China are currently amongst the fastest growing nations in the world. While forward looking indicators appear consistent with economic expansion, the major areas of concern are the rising crude oil and commodity prices, worldwide hardening of interest rates and widening global current account imbalances.

Indian Economy

The Indian economy has entered a new growth phase. The latest Quick Estimates released by Central Statistical Organisation, Government of India indicate that India's Gross Domestic Product (GDP) at 1993-94 prices recorded a growth of 8.5 per cent during 2003-04. Only twice in the Post-Independence period, India has recorded such a high growth (1975-76 and 1988-89). The growth has been broad based with all the three sectors viz. agriculture, industry and services contributing to the economic buoyancy.

Preceded by high growth of 2003-04, the year 2004-05 commenced with modest growth projections. The situation turned somewhat unfavourable with South West monsoons turning deficient followed by Tsunami disaster causing extensive damage to life and property in various coastal parts. Nevertheless, the economy exhibited resilience and as per the Advance Estimates, the GDP growth is expected at 6.9 per cent during 2004-05. Agriculture is likely to record a lower growth of 1.1 per cent against 9.6 per cent previous year on account of inadequate monsoons and higher base. Industrial sector, showing definite signs of revival, is expected to post a growth of 8.3 per cent during 2004-05 as against 6.5 per cent during 2003-04 while service sector is expected to grow at 8.6 per cent during 2004-05 as against 8.9 per cent in the previous year.

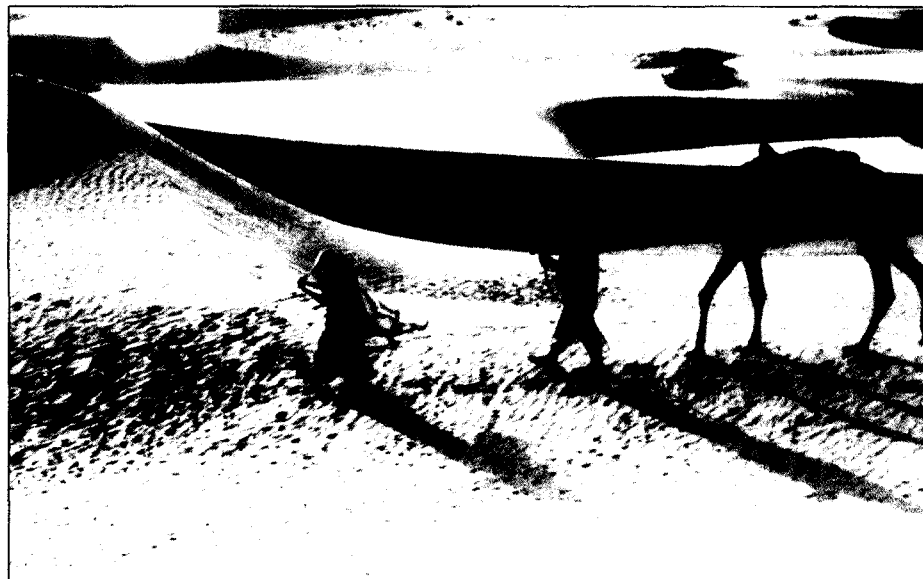
India's foreign trade has also been buoyant during 2004-05. As against the export target of US\$ 74 billion (16 per cent growth over previous year),

the exports have risen to an all time high of US\$ 80 billion with growth of nearly 24 per cent during 2004-05. This was despite appreciation of Indian Rupee against US\$ since second half of 2004. The foreign exchange reserves are quite comfortable at over US\$ 140 billion.

There was a sudden bout of inflation in the first half of 2004-05 caused by sharp rise in global petroleum prices, deficient rainfall-induced inflationary expectations and liquidity overhang. The year 2004-05 witnessed peak level of inflation at 8.74 per cent for the week ended August 28, 2004. However, through quick monetary and fiscal measures, inflation was effectively controlled and stood at 5.05 per cent for the week ended March 26, 2005.

Rajasthan Economy

Rajasthan is having predominantly an agrarian economy with share of Agriculture (including animal husbandry) in State's GDP at 26.1 per cent. The year 2004-05 had been a difficult year for the State. During



आपणों राजस्थान

Our Rajasthan

परिणामस्वरूप राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि (स्थिर मूल्यों पर) वर्ष 2003-04 के 22.3 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2004-05 में 1.5 प्रतिशत रही। राज्य की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय भी स्थिर मूल्यों पर वर्ष 2003-04 के रुपये 9,685 से घटकर वर्ष 2004-05 में रुपये 9,603 होने का अनुमान है।

तथापि, राज्य में बहुमूल्य खनिज सम्पदा की उपलब्धता एवं इसकी उत्तरी बाजारों के समीप स्थिति के कारण राजस्थान, देश के औद्योगिक नक्शे में तेजी से उभर रहा है। राज्य सरकार आधारभूत सुविधाओं विशेषकर बिजली, तेल एवं गैस, सड़कें एवं जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों को विकसित करने के लिये विशेष बल दे रही है। हाल ही में बाड़मेर जिले में मिले तेल भण्डार से राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा एवं राज्य में तेल शोधक कारखाने (रिफाइनरी) की स्थापना का प्रस्ताव शनैः शनैः मूर्त रूप ले रहा है। इसके अतिरिक्त, राजस्थान अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक सौन्दर्य के कारण घरेलू एवं अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक प्रमुख स्थल के रूप में उभरा है।

वित्तीय क्षेत्र की गतिविधियां

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान वित्तीय क्षेत्र में निम्न महत्वपूर्ण गतिविधियां हुई :-

- वर्ष 2004-05 में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ कृषि क्षेत्र के अग्रिमों को अगले तीन वर्षों में दुगुना करने के एक नीतिगत पैकेज की घोषणा की गई थी। वर्ष 2005-06 के लिए भी 30 प्रतिशत की वृद्धि दर का यह लक्ष्य यथावत रखा गया है।
- मूलभूत परियोजनाओं को वित्त प्रदान करने के लिये बैंकों को दीर्घ अवधि के बॉण्ड्स जारी करने के लिये अनुमत किया गया।
- मार्च 2005 तक व्यापारिक विनियोगों के लिए तथा मार्च 2006 तक "विक्रय के लिए उपलब्ध" श्रेणी के विनियोगों के लिए - बैंकों को परिचालन जोखिम पर पूंजी प्रभार दो वर्ष की अवधि में बनाये रखने की सलाह दी गई।
- "गैर निष्पादित आस्तियों की तीन वर्षों से अधिक संदिग्ध ऋणों की श्रेणी" के लिए गैर निष्पादित अवधि के अनुसार क्रमवार उच्च प्रावधान की आवश्यकता को लागू किया गया।
- विनियोग संभाग के वर्गीकरण के लिए दिशा-निर्देश संशोधित किये गये ताकि बैंकों

को कुछ विशेष शर्तों के साथ "परिपक्वता तक रोके रखने" (हेल्ड टू मैच्यूरिटी) वाली श्रेणी के विनियोगों को 25 प्रतिशत की सीमा से अधिक तक रखने को अनुमत किया गया।

- कृषि अग्रिमों के संबंध में आय निर्धारण, आस्ति वर्गीकरण एवं प्रावधानों हेतु विवेकपूर्ण मानदण्ड संशोधित किए गए हैं ताकि पुनर्भुगतान तिथियों को फसल कटने के समय के अनुसार किया जा सके।
- बैंकों को बेसेल II के अनुसार रोड मैप तैयार करने का सुझाव दिया गया। इसके अतिरिक्त बेसेल II को अपनाने वाले बैंकों का कार्य निर्बाध रूप से चलाने हेतु विवेकपूर्ण नीति निर्देशों का प्रारूप जारी किया गया।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए नया स्वायत्तता पैकेज घोषित किया गया।
- खुदरा घरेलू मियादी जमाओं की न्यूनतम अवधि को 15 दिन से घटाकर 7 दिन कर दिया गया।
- बैंकों को मार्च 2007 तक विशेष कृषि साख योजना (एसएससीपी) में लघु एवं सीमान्त कृषकों को प्रत्यक्ष कृषि अग्रिमों का 40 प्रतिशत ऋण वितरण करने हेतु कहा गया।
- आवासीय क्षेत्र को रुपये 15 लाख तक के बैंक ऋण सभी क्षेत्रों में और लघु औद्योगिक क्षेत्र में प्रतिभूतिकृत ऋणों में निवेश को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में रखा गया है।
- लघु उद्यम उपक्रमों के लिए सम्मिश्रित ऋणों की सीमा को रुपये 50 लाख से बढ़ाकर रुपये 1 करोड़ कर दी गई।
- बेसेल II की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूंजी में वृद्धि के लिए अधिमान अंशों को जारी करने की अनुमति दी गई।
- बैंकों को अपनी तरफ से सूक्ष्म वित्तीय संस्थाएं जैसे बैंकिंग कोरसपोन्डेन्ट्स की नियुक्ति करने की अनुमति दी गई ताकि वे बैंकों की तरफ से लेनेदेन सेवाएं प्रदान कर सकें।

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का व्यवसाय

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की जमाओं में, वर्ष 2004-05 में 14.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि

बैंक साख में 29.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष के दौरान आईडीबीआई के एक बैंक में रुपान्तरण के प्रभाव से पूर्व कुल जमाओं में वृद्धि 14.1 प्रतिशत हुई जबकि बैंक साख में वर्ष 2004-05 के दौरान 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एम-3 मुद्रा आपूर्ति में वर्ष 2004-05 के दौरान 12.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि वर्ष 2003-04 में 16.9 प्रतिशत थी।

निगम परिचालन

व्यवसाय निष्पादन

बैंक ने समग्र व्यवसाय (जमा और अग्रिम) में वर्ष 2004-05 के दौरान 5,837 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए मार्च 2005 के अंत में रुपये 31,294 करोड़ का स्तर प्राप्त किया है, जबकि मार्च 2004 के अंत में यह रुपये 25,457 करोड़ था।

जमाएँ

बैंक ने कुल जमाओं में 15.7 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ रुपये 2,585 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए वर्ष 2004-05 में रुपये 19,038 करोड़ का स्तर प्राप्त किया है। यह वर्ष 2004-05 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की जमाओं में हुई 14.1 प्रतिशत की वृद्धि से भी अधिक है। जमाओं की लागत पिछले वर्ष के 5.87 प्रतिशत से सुधरकर वर्ष 2004-05 के दौरान 4.84 प्रतिशत तक पहुँची।

अग्रिम

बैंक के कुल अग्रिम मार्च 2004 की समाप्ति पर रुपये 9,004 करोड़ के विरुद्ध मार्च 2005 की समाप्ति पर रुपये 3,252 करोड़ (36.1 प्रतिशत) की वृद्धि दर्ज करते हुए रुपये 12,256 करोड़ के स्तर तक पहुँच गये। बैंक के गैर खाद्य अग्रिमों में वर्ष 2004-05 के दौरान रुपये 3,189 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई है जो कि पिछले वर्ष रुपये 2,055 करोड़ थी। गैर खाद्य अग्रिमों में पिछले वर्ष की समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की 26.5 प्रतिशत की विकास दर (आईडीबीआई रुपान्तरण के प्रभाव से पूर्व) के मुकाबले इस वर्ष 37.2 प्रतिशत रही। गैर खाद्य अग्रिमों की

